

शीरगर्म वि. (फा.) तरल पदार्थ जो साधारण गर्म हो, बहुत अधिक गर्म न हो, पीने योग्य गरम दूध।

शीरतमाल पुं. (फा.) एक प्रकार की मीठी रोटी जिसे पकाते समय दूध का छीटा दिया जाता है।

शीरा पुं. (फा.) गुड़, चीनी अथवा मिसरी आदि के घोल को उबालकर तैयार की हुई चाशनी।

शीराजा पुं. (फा.) 1. वह फीता जो किताब को मजबूती और शोभा देने के लिए सिलाई के छोर पर लगाया जाता है 2. इंतजाम, प्रबंध, व्यवस्था 3. क्रम, सिलसिला 4. कपड़ों की सिलाई 5. संघटन।

शीराजी वि. (फा.) शीराज का पुं. 1. शीराज का निवासी 2. एक प्रकार का कबूतर।

शीरीं वि. (फा.) 1. मधुर, मीठा, सरस 2. प्रिय, रुचिकर।

शीरी पुं. (तत्.) 1. कुश, कुशा 2. गूँज 3. कलिहारी, कलियारी, लांगली, मंजिष्ठा।

शीरीनी स्त्री. (फा.) 1. मिठास, मधुरिमा, माधुर्य 2. मिठाई, मिष्टान्न 3. गुरु, देवता आदि के सामने आदरपूर्वक प्रस्तुत की जाने वाली मिठाई।

शीर्ण वि. (तत्.) 1. खंड-खंड, टुकड़े-टुकड़े 2. गिरा हुआ, च्युत, टूटा हुआ, फटा हुआ 3. कुम्हलाया या मुरझाया हुआ 4. दुबल-पतला 5. कृश 6. सड़ा हुआ, गला हुआ 7. चिथड़े-चिथड़े हुआ।

शीर्णकतामापी पुं. (तत्.) व्यावसायिक बेकरों द्वारा प्रयुक्त किया जाने वाला वह उपकरण जिसका प्रयोग आटे में उपस्थित वसा आदि की उस क्षमता को परखने के लिए किया जाता है जिससे बेक पदार्थों में कुरकुरापन आता है।

शीर्णता स्त्री. (तत्.) शीर्ण होने की अवस्था या भाव।

शीर्णपत्र पुं. (तत्.) 1. कर्णिकार 2. कनियारी 3. नीम।

शीर्णपर्ण पुं. (तत्.) निंब, नीम।

शीर्णपाद पुं. (तत्.) यमराज।

शीर्णपुष्पी स्त्री. (तत्.) सौंफ।

शीर्णित्र पुं. (तत्.) 1. करतनी मशीन 2. किसी पदार्थ, वस्तु या धातु को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटने की मशीन 3. दस्तावेज नष्ट करने की मशीन ताकि कोई गलत व्यक्ति उनको पढ़कर उनका दुरुपयोग न कर सके 4. सब्जी आदि को छोटे-छोटे टुकड़ों में घिसने की मशीन, कद्दूकस।

शीर्ष पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु का सबसे ऊपरी हिस्सा 2. सिर, मस्तक, ललाट 3. एक प्रकार की घास 4. एक प्राचीन पर्व 5. ज्यामिति में वह बिंदु जिस पर दो ओर से दो तिरछी रेखाएँ आकर मिलती हैं (वर्टेक्स) 6. खाते में किसी मद का नाम।

शीर्षक पुं. (तत्.) 1. सिर, मस्तक, माथा 2. ऊपरी भाग 3. सिर की हड्डी 4. टोपी आदि शिरस्त्राण 5. लेख आदि के लिए दिया जाने वाला ऐसा नाम जिससे विषय का कुछ परिचय मिलता हो (हेडिंग) 6. राहु ग्रह।

शीर्षकशेरुक पुं. (तत्.) संधिपाद प्राणियों और अन्य कीटों का अग्र भाग या सिर।

शीर्षकोण पुं. (तत्.) ज्यामिति में किसी आकृति का वह कोण जो तल के ठीक ऊपरी भाग में खड़े बल में होता है।

शीर्षक्षय पुं. (तत्.) 1. अस्थिक्षय, ऊतक क्षय, हड्डी का निर्जीव होना 2. वृक्षों में होने वाला एक रोग जिसमें वृक्ष की शाखाएँ धीरे धीरे मध्यवर्ती छाल से सूखने लगती हैं।

शीर्षच्छेद पुं. (तत्.) सिर काट डालना, सिर का विच्छेदन।

शीर्षनाम पुं. (तत्.) लेख विधान आदि का वह पूरा नाम जो उसके आरंभ में विशेषतः मुख-पृष्ठ पर रहता है।

शीर्षपट पुं. (तत्.) सिर पर लपेटा जाने वाला वस्त्र अर्थात् पगड़ी या साफा।

शीर्षबिंदु पुं. (तत्.) 1. आँख का मोतिया-बिंद नामक रोग 2. आकाश में वह स्थान या उसका